L-6

DIII, Geography (Hon.), Sub- Population Geography, Paper- VII, Chapter- Dynamics of Population Changes: Migration.

By Dr. Ratan Kumar Jha
Head, Geog. Dept.

MIGRATION प्रवास

प्रवास एक स्वभाविक मानवीय क्रिया है जो प्राचीन काल से चलता रहा है। आदि मानव भी भोजन के तलाश, शिकार, पशुओं के चारा, कृषि भूमि, जलस्रोत आदि की खोज में सामूहिक रूप से स्थान परिवर्तन करते थे। और आज भी मानव व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से विभिन्न कारणों से एक स्थान से दूसरे स्थान को स्थाई या अस्थाई रूप से प्रवास करते रहते हैं।

प्रवास का तात्पर्य है मानव का अकेला या सामूहिक रूप से एक भौगोलिक इकाई से दूसरे भौगोलिक इकाई में जाकर बसना। इस आवास परिवर्तन से मानव सिर्फ स्थान परिवर्तन ही नहीं करता है बल्कि उसको एक सांस्कृतिक इकाई छोड़कर दूसरे सांस्कृतिक इकाई एवं समुदाय में सामंजस्य स्थापित करना पड़ता है।

प्रसिद्ध भूगोलवेत्ता जे. बोग के अनुसार "प्रवास शब्द आवास के उन परिवर्तनों को लिये आरक्षित होता है जो किसी व्यक्ति के सामुदायिक सम्बन्धों का पूर्णरूपेण परिवर्तन एवं पुनर्समायोजन से सम्बन्धित होते हैं।"

"The term 'migration' is reserved for those changes of residence that involved a complete change and adjustment of the community affiliation of the individual."

Scanned with CamScanner

प्रवास को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारक :—

विश्व में मानव का स्थानान्तरण या प्रवास कई रूपों में एक देश से दूसरे देश, अन्तर्महाद्वीपीय, एक स्थान से दूसरे स्थान या गांव से शहर होता रहा है। यह प्रवजन विभिन्न कारणों जैसे- आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक आदि के प्रभाव से होता है। इन कारकों में प्रमुख निम्न प्रकार हैं :—

(1) भौतिक कारक physical factors :— इसके अन्तर्गत वे सारे प्राकृतिक घटनाएँ आते हैं जिसके प्रभाव से मानव अपना निवास स्थान छोड़कर दूसरे स्थान पर बसने को मजबूर होता है। इसमें बाढ़, ज्वालामुखी विस्फोट, पहाड़ी भागों में चट्टान खिसकना, अतिवृष्टि, के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी स्थानान्तरण आते हैं। इस कारण से प्रवास अस्थाई एवं स्थाई दोनों होते हैं।

(2) आर्थिक कारक economic factors :— आर्थिक कारक मानवीय प्रवास के लिये अतिमहत्वपूर्ण जिम्मेदार कारकों में से एक है। मानव हमेशा से स्वैच्छिक प्रवास आर्थिक कारणों से करता रहा है। सामान्य रूप से मानव अकेला या सामूहिक रूप से रोजगार की तलाश में गांव से शहर की ओर, अच्छी मजदूरी, अच्छी नौकरी के लिये कृषि क्षेत्र से नगरीय क्षेत्रों विशेषकर औद्योगिक प्रदेशों की ओर पलायन करते हैं। इसके अतिरिक्त उच्च योग्यताधारी व्यक्ति अच्छी सुविधा, उच्च वेतन एवं अन्य कारणों से अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास मुख्य रूप से अविकसित या विकासशील राष्ट्रों से विकसित राष्ट्रों की ओर पलायन करते हैं। आर्थिक कारण से स्थान परिवर्तन दैनिक या अस्थाई से स्थाई रूप में होता है।

(3) धार्मिक एवं सांस्कृतिक कारक :- इसमें धार्मिक कारणों से मानव समुदाय सामान्यतः अस्थाई या सामयिक प्रवास करते हैं। जैसे जापान, थाईलैंड आदि देशों से बौद्ध भिक्षुक कुछ समय के लिये भारत आते हैं पुनः वापस चले जाते हैं। सांस्कृतिक कारकों में सामाजिक रीति रिवाज विशेषकर वैवाहिक प्रथा स्थाई प्रवास के लिये जिम्मेदार सबसे महत्वपूर्ण कारक है। अधिकांश मानव समुदाय में शादी के बाद लड़कियाँ/महिलाएँ अपने पिता का घर छोड़कर पति के घर स्थाई रूप से निवास करने चली जाती हैं।

(4) राजनीतिक कारक :- इसके अन्तर्गत सबसे महत्वपूर्ण कारक दो देशों के बीच युद्ध या आन्तरिक सामुदायिक गृहयुद्ध आदि महत्वपूर्ण है जो बड़े पैमाने पर लोगों को अपना निवास स्थान छोड़कर प्रवास के लिये मजबूर करते हैं।

प्रवास के प्रकार Types of Migration :-

प्रवास के दो रूप होते हैं। जिस प्रवास की प्रक्रिया में मानव अपने स्थान से दूसरे स्थान पर निवास करने चला जाता है तो उसे उत्प्रवास Emigration/out migration कहते हैं जहाँ मानव जहाँ जाकर निवास करता है वहाँ उसे immigration या In-migration आप्रवास कहते हैं।

प्रकार :- प्रवास का विभाजन या प्रकार का निर्धारण कई आधार पर किया जा सकता है जिनमें दो महत्वपूर्ण हैं :-

(1) समय या काल के आधार पर.

(2) स्थान परिवर्तन के आधार पर — इस आधार पर प्रवास चार प्रकार के होते हैं :-

(a) गाँव से गाँव की ओर - इसमें कुछ स्थानीय कारणों से लोग एक गाँव छोड़कर दूसरे गाँव में जाकर प्रवास करने लगते हैं। इसमें शादी के कारण

स्थान परिवर्तन सबसे महत्वपूर्ण है।

(ii) गाँव से शहर की ओर - सामान्य रूप से लोग गाँव से नगरीय इकाई की ओर दैनिक मजदूरी, औद्योगिक या बड़े नगरों की ओर अच्छी आय के लिये अथवा स्थाई नौकरी के कारण प्रवास करते हैं।

(iii) नगर से नगर की ओर :- इसमें मानव का प्रवास सामान्यतः छोटे शहरों से बड़े नगरों विशेषकर औद्योगिक या व्यापारिक नगरों की ओर, नौकरी में स्थानान्तरण के कारण पलायन होते हैं।

(iv) नगर से गाँव की ओर :- इस प्रकार का प्रवास बहुत कम होता है। सरकारी नौकरी-पेशा लोग नौकरी में स्थान परिवर्तन की स्थिति में नगर से गाँव की ओर पलायन होता है परन्तु सामान्यतः अस्थाई रूप से।

इसके अतिरिक्त जन्मस्थान छोड़कर पलायन निम्नप्रकार के होते हैं:-

(1) स्थानीय - एक जगह से दूसरे जगह, गाँव से शहर की ओर

(2) अन्तर्जिला - एक जिला से दूसरे जिला

(3) अन्तर्राज्यीय - अपने देश के अन्दर ही एक राज्य से दूसरे राज्य की ओर

(4) अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्महाद्वीपीय - एक देश से दूसरे देश या महादेश में पलायन।

लव कुमार झा